बर्दवान
आसनसोल
दुर्गापुर
रानीगंज

शिल्पांचल
सन्मार्ग

सोम
वार
25 नवम्बर, 2019

www.sanmarg.in

6 सन्मार्ग

सन्मार्ग दुर्गापुर

समेकित व धारणीय शिक्षा समय की मांग : प्रतीक गोयनका

आसनसोल : आसनसोल में दिल्ली पब्लिक स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में कई अहम प्रयोग कर रहा है। उस प्रयोग का ही नतीजा है कि आज स्कूल अपनी एक नई पहचान बना चुका है। सन्मार्ग की टीम ने विभिन्न मुद्दों पर दिल्ली पब्लिक स्कूल आसनसोल के प्रबंध न्यासी प्रतीक गोयनका से बातचीत की। यहां पेश है बातचीत के प्रमुख अंश -

आसनसोल में दिल्ली पब्लिक स्कूल खोलने का विचार कैसे आया तथा इसकी शुरुआत कब हुई ?

बचपन से ही मन में उत्कट इच्छा थी कि एक ऐसी संस्था हो जिसमें बच्चों को किताबी कीड़ा न बनाकर पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के साथ विकास का अवसर मिले, समेकित व धारणीय शिक्षा हो, सृजनात्मकता को प्रोत्साहन मिले, बस इसी इच्छा ने प्रेरित किया। यह स्कूल आसनसोल में शिक्षा की दिशा एवं दशा बदल रहा है। लगभग 7 वर्ष पहले दिसम्बर 2012 में विद्यालय भवन का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ और अप्रैल 2013 में कक्षाएं आरम्भ हो गयीं। अप्रैल 2017 में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली ने स्कूल को सेकेन्डरी लेबल तथा जुलाई 2019 में सीनियर सेकेन्डरी लेबल की मान्यता प्रदान की है।

अच्छे खिलाड़ियों और मेधावी छात्रों के प्रोत्साहन हेतु आपकी क्या योजना है ?

खेल, पढ़ाई अथवा किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के लिए आकर्षक पुरस्कार योजना है। इस योजना के अन्तर्गत जनपद, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अनेक छात्रों को पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा मेधावी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना के तहत मैरिट लिस्ट में आने वाले छात्रों के लिए वर्ष भर मुफ्त शिक्षा का प्रावधान भी है। सत्र - 2018 – 2019 में शुरू की गई इस योजना में अब तक अनेक छात्र लाभान्वित हुए हैं।

वरीयता क्रम में आप किसे पहले रखना चाहेंगे, पढ़ाई या खेल ?

देखिये, मात्र अक्षर ज्ञान हमारा ध्येय नहीं है। हम चाहते हैं कि बच्चों के व्यक्तित्व के सभी पहलुओं का संतुलित विकास हो। मानसिक विकास के साथ – साथ शारीरिक विकास भी समान महत्त्व रखता है क्योंकि एक स्वस्थ मस्तिष्क स्वस्थ शरीर में निवास करता है। इसलिए कक्षाओं की उत्तम व्यवस्था के साथ –साथ खेलकूद पर भी समान रूप से बल दिया जाता है जिसके लिए अतिरिक्त कक्षाएं भी दी जाती हैं। आजकल खेलकूद में भी रोजगार की असीम संभावनाएं होने के कारण उस तरफ भी पर्याप्त ध्यान दिया जा रहा है।

सुना है, डीपीएस आसनसोल को 'द एजुकेशन वर्ल्ड इण्डिया स्कूल रैंकिंग 2019' में उच्च स्थान प्राप्त हुआ है, इसका श्रेय आप किसे देना चाहेंगे ?

जी हां, 'द एजुकेशन वर्ल्ड इण्डिया स्कूल रैंकिंग अवार्ड 2019' में डीपीएस आसनसोल को पश्चिम बर्दमान एवं पूर्व बर्दमान जिलों में द्वितीय, राज्य स्तर पर 15वां और राष्ट्रीय 159वां स्थान प्राप्त हुआ है। किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दृढ़ – संकल्प, पूर्ण आत्मविश्वास, अथक परिश्रम एवं उचित दिशा में किये गए प्रयास महत्त्वपूर्ण होते हैं। इन्हीं का संबल लेते हुए डीपीएस आसनसोल की समस्त टीम ने इस उपलब्धि को हासिल किया है। डीपीएस आसनसोल की समस्त टीम ही इसके लिए बधाई की पात्र है।

दिल्ली पब्लिक स्कूल आसनसोल अन्य स्कूलों से किस प्रकार भिन्न है ?

दिल्ली पब्लिक स्कूल आसनसोल डीपीएस सोसाइटी नई दिल्ली तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्णत: अनुसरण करता है। स्कूल का इनफ्रास्ट्रक्चर तथा अन्य सुविधाएं अत्याधुनिक व स्तरीय हैं। आज डीपीएस की भारत एवं विदेशों में तीन सौ से भी अधिक शाखाएं कार्यरत हैं। इसलिए डीपीएस राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त ब्रांड है। डीपीएस के छात्र इंटर डीपीएस एक्टिविटीज में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करते हैं जिसका पूरा खर्च संबन्धित डीपीएस एवं डीपीएस सोसाइटी वहन करती है।

आगामी शैक्षिक सत्र के लिए कोई विशेष योजना ?

सत्र 2020 – 21 से 11वीं कक्षा के लिए सभी स्ट्रीम्स में कक्षाएं आरम्भ होंगी जिसके लिए शीघ्र ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड नई दिल्ली से सीनियर सेकेण्डरी स्तर की मान्यता जुलाई 2019 में ही प्राप्त हो चुकी है। इसके अलावा बोर्ड परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को एक लाख, राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को 50,000 और जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र को 30,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।